AIBD की 47वीं वार्षिक सभा

प्रिलिम्स के लिये:

एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD), 47वीं AIBD वार्षिक सभा।

मेन्स के लिये:

कोविड-19 महामारी के दौरान मीडिया की भूमिका।

चर्चा में क्यों?

प्रतिष्ठित एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD) **की भारत की अध्यक्षता को एक और वर्ष के लिये बढ़ा दिया गया है।**

- नई दिल्ली में आयोजित संस्थान की **दो दिवसीय वार्षिक सभा में AIBD के सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया।**

एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD):

- **परिचय:**
  - **एशिया-पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर ब्रॉडकास्टिंग डेवलपमेंट (AIBD)** की स्थापना वर्ष 1977 **में संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को/UNESCO)** के तत्त्वावधान में हुई थी।
  - यह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विकास के क्षेत्र में **एशिया और प्रशांत के लिये संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग (UN-ESCAP) के देशों की सेवा करने वाला अद्वितीय क्षेत्रीय अंतर-सरकारी संगठन है।**
  - इसका सचिवालय **कुआलालंपुर** में स्थित है और इसकी मेज़बानी मलेशिया सरकार करती है।
- **उद्देश्य:**
  - **AIBD** नीति और संसाधन विकास के माध्यम से **एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक जीवंत और संगठित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वातावरण प्रदान करने के लिये अनिवार्य है।**
- **संस्थापक सदस्य:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU), संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) और संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) तथा एशिया-प्रशांत प्रसारण संघ (ABU) संस्थान के संस्थापक संगठन हैं** और वे आम सम्मेलन के गैर-मतदाता सदस्य है।
- **सदस्य:**
  - **भारत सहित एशिया प्रशांत क्षेत्र के 26 देशों के प्रसारणकर्त्ता** संगठन के पूर्ण सदस्य हैं।
- **47वीं AIBD वार्षिक सभा:**
  - **47वीं AIBD वार्षिक सभा/20वाँ AIBD आम सम्मेलन और संबद्ध बैठकें नई दिल्ली में आयोजित की गई।**
  - इसमें विशेष रूप से **"महामारी के बाद की अवधि में प्रसारण के क्षेत्र में एक मज़बूत भविष्य का निर्माण"** विषय पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई चर्चाओं, प्रस्तुतियों और विचारों का आदान-प्रदान किया गया।
  - **सहकारी गतिविधियों और विनिमय कार्यक्रमों के लिये एक पंचवर्षीय योजना को भी अंतिम रूप दिया** गया।
  - सभी भाग लेने वाले देशों और सदस्य प्रसारकों ने एक स्थायी प्रसारण वातावरण, नवीनतम प्रौद्योगिकी जानकारी,**बेहतरीन सूचना सामग्री के लिये मिलकर काम करने का संकल्प लिया।**

कोविड-19 महामारी युग में AIBD का महत्त्व:

- AIBD के नेतृत्व ने **सदस्य देशों को कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन जोड़े रखा** और इस बात पर भी **निरंतर संवाद बनाए रखा कि मीडिया किस प्रकार महामारी के प्रभाव को कम कर सकता है।**
- **सदस्य देशों को** चिकित्सा क्षेत्र में नवीनतम विकास, कोरोना योद्धाओं के सकारात्मक परिणामों और महामारी से भी ज़्यादा तेज़ी से फैल रही फर्ज़ी

खबरों का मुकाबला करने के बारे में **जानकारी साझा किये जाने से अत्यधिक लाभ हुआ।**

- **AIBD** ने **लॉकडाउन के दौरान भी अपना प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी** रखा। अकेले वर्ष 2021 में 34 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए थे और पारंपरिक मुद्दों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन, हरित प्रौद्योगिकियों, सतत् विकास, तेज़ रिपोर्टिंग, बच्चों के लिये प्रोग्रामिंग आदि जैसे उभरते मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।
- प्रसारण क्षेत्र में इंटरनेट के उपयोग में वृद्धि के साथ **साइबर सुरक्षा पत्रकारिता में पत्रकारों का प्रशिक्षण अनिवार्य** हो गया है।
    - AIBD अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में इसे शामिल करने वाला पहला समूह है।
- यह मीडिया ही है जिसने कठिन दौर में दुनिया को एक मंच प्रदान किया और एक वैश्विक परिवार की भावना को मज़बूत किया।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/47th-aibd-annual-gathering